

सर्वे,

1. दादा अमर के मासिकार है।
2. कोर्ट फीस पूरा है।
3. सुनने के अनुसार फस्तरीन पूरा है।
4. सम्मान तलबना सख्त है।

का पत्रोपि अत्रही अथि उचित है।

S.D. साहब

30-5-22

दफ्तरी
 - नोडल कार्यालय
 9-5-22 को पेश हो।

9-5-22 पत्रावली पेश हुई। पी.ओ. साहब को पत्र
 अन्य कार्य में व्यस्त हैं/बाहर पधारे हैं।
 उभयपक्ष के अभि.उप. आयन्दा दिनांक 21-6-22
 को पेश हो।

साहब

21-6-22 पत्रावली पेश हुई। पी.ओ. साहब
 अन्य कार्य में व्यस्त हैं/बाहर पधारे हैं।
 उभयपक्ष के अभि.उप. आयन्दा दिनांक 29-6-22
 को पेश हो।

साहब

29-6-22 पत्रावली पेश हुई। पी.ओ. साहब
 अन्य कार्य में व्यस्त हैं/बाहर पधारे हैं।
 उभयपक्ष के अभि.उप. आयन्दा दिनांक 3-8-22
 को पेश हो।

साहब

3-8-22 फील वीरु उपण इतजार तमील रिपोर्ट दिनांक

2-11-22 को पेश हो।

2-11-22 पत्रावली पेश हुई। पी.ओ. साहब
 अन्य कार्य में व्यस्त हैं/बाहर पधारे हैं।
 उभयपक्ष के अभि.उप. आयन्दा दिनांक 3-8-22
 को पेश हो।

साहब

पालय उपखण्ड अधिकारी किशनगढ़-बास (अलवर)

हुकम या कार्यवाही मय हनिशियल जज

कमील वादी उप०। वस्ते इतजार तामील दिनांक 19/12/22 को पेश हो।

19/12/22 पत्रावली पेश हुई। पी.ओ. साहब बास बाबा अभियान अन्य कार्य में व्यस्त हैं/बाहर पधारे हैं। उभयपक्ष के अभि.उप. आयज्जा दिनांक 05/02/23 को पेश हो।

कमील वादी उप०। वस्ते इतजार तामील दिनांक 26/03/23 को पेश हो।

20/03/23 पत्रावली पेश हुई। पी.ओ. साहब बास बाबा अभियान अन्य कार्य में व्यस्त हैं/बाहर पधारे हैं। उभयपक्ष के अभि.उप. आयज्जा दिनांक 08/05/23 को पेश हो।

1/3

पत्रावली प्रशासन गांवों/शहरों के संग अभियान प्रशासन गांवों/शहरों के संग अभियान को पेश हो।

पी.ओ. साहब बास बाबा अभियान प्रशासन गांवों/शहरों के संग अभियान

19/11/23 कमील वादी उप०। वस्ते इतजार तामील दिनांक 29-8-23 को पेश हो।

29-8-23 पत्रावली पेश हुई। पी.ओ. साहब स्वामिनरज अन्य कार्य में व्यस्त हैं/बाहर पधारे हैं। उभयपक्ष के अभि.उप. आयज्जा दिनांक 17-10-23 को पेश हो।

17/10/23 पत्रावली पेश हुई। पी.ओ. साहब स्वामिनरज अन्य कार्य में व्यस्त हैं/बाहर पधारे हैं। उभयपक्ष के अभि.उप. आयज्जा दिनांक 2-01-24 को पेश हो।

2-01-24 पत्रावली पेश हुई। पी.ओ. साहब अन्य कार्य में व्यस्त हैं/बाहर पधारे हैं। उभयपक्ष के अभि.उप. आयज्जा दिनांक 14-3-24 को पेश हो।

11/03/24

पत्रावली पेश हुई। कमील वादी / वादी उपस्थित नहीं। बास बाबा आबाज लगाई गई। आबाज का समय समाप्ति की ओर है, वादी या कमील वादी उपस्थित नहीं। अतः वादी वादी अदम चपरी। कमील में खरिज बिना फासुद, पत्रावली केवल गुमार होकर कमील पेश होकर हो।